नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org, ructarashtriya@gmail.com

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2017-18/02 कार्तिक शु. २ वि. स. २०७४ तदनुसार 21 अक्टूबर, 2017
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय बंधु/भगिनी,

सादर नमस्कार।

दीप पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। परिपत्र प्रेषण में अपरिहार्य कारणों से देरी होने के कारण क्षमा प्रार्थी हूँ। पिछले परिपत्र के पश्चात् पदनाम परिवर्तन की संशोधित अधिसूचना प्रारूप को मुख्यमंत्री जी की स्वीकृति, उच्च शिक्षा मंत्री जी एवं केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से भेंट, केन्द्र द्वारा नवीन यू.जी.सी. वेतनमान को मंजूरी, गुरुवंदन कार्यक्रम के वृत्त सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी के साथ यह परिपत्र आपके समक्ष प्रस्तुत है -

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **पदनाम परिवर्तन की अधिसूचना का प्रारूप मुख्यमंत्री जी द्वारा अंतिम रूप से स्वीकृत** - मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी ने पदनाम परिवर्तन की अधिसूचना के संशोधित प्रारूप को 15 अक्टूबर 2017 को अंतिम रूप से स्वीकृत किया है। इसके अनुसार महाविद्यालय शिक्षकों का पदनाम व्याख्याता के स्थान पर असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर होगा। सम्पूर्ण संवर्ग में प्रोफेसर के 477 पद होंगे। इनमें प्रत्येक स्नातकोत्तर विभाग में एक प्रोफेसर के हिसाब से 437 प्रोफेसर के पद व स्नातक महाविद्यालयों में 40 प्रोफेसर के पद होंगे। महाविद्यालय प्राचार्यों के 75 प्रतिशत पद एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा व 25 प्रतिशत पद प्रोफेसर द्वारा भरे जाएँगे। अभी विधि विभाग, लोक सेवा आयोग की औपचारिक स्वीकृति शेष है। इसके बाद कैबिनेट द्वारा पारित कर नियम लागू किए जायेंगे। आप सब शिक्षक साथियों के सहयोग से रुक्टा (राष्ट्रीय) ने निरन्तर सरकार व नौकरशाही के समक्ष मजबूती से संघर्ष करते हुए इस विषय को अंतत: लक्ष्य बिन्दु तक पहुँचाया है।

   संगठन द्वारा 7 नवम्बर 2016 को जयपुर में किए गए ऐतिहासिक प्रदर्शन के पश्चात् मुख्यमंत्री जी ने 11 जनवरी को रुक्टा (राष्ट्रीय) के अधिवेशन में हजारों शिक्षकों के समक्ष पदनाम परिवर्तन की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री जी की घोषणा के बाद भी नौकरशाही द्वारा डाली गई विभिन्न अड़चनों, बाधाओं एवं शिक्षकहित के विपरीत प्रावधान करने के उनके प्रयासों के विरुद्ध संगठन ने पिछले नौ महीनों से निरन्तर

सक्रिय एवं जागरुक रह कर संघर्ष किया तथा पदनाम परिवर्तन के नियमों को शिक्षक हित के अनुकूल बनाने हेतु दबाव बनाया। संगठन के प्रतिनिधिमंडल की इस अवधि में उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी जी से नियमित अंतराल पर भेंटवार्ताएँ हुई। संगठन ने 19 सितम्बर को इस संबंध में मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जी से भी भेंट कर शिक्षक हितानुकूल पदनाम परिवर्तन के नियम बनाने की माँग की। संगठन के प्रतिनिधिमंडल की नियमित अंतराल पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) श्री डी. बी गुप्ता, शासन सचिव (वित्त) श्रीमती मंजु राजपाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री राजहंस उपाध्याय, प्रमुख शासन सचिव (सी.एम.ओ.) श्री तन्मय कुमार सहित कार्मिक, वित्त, सीएमओ एवं उच्च शिक्षा के अन्य अधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ताएँ हुई। संगठन ने इन भेंटवार्ताओं में शिक्षकों का पक्ष विभिन्न दस्तावेजों एवं तथ्यों के साथ तर्कपूर्ण ढंग से रखते हुए पदनाम परिवर्तन के नियमों में डाली गई विभिन्न बाधाओं को हटाने हेतु दबाव बनाया। अंततः शिक्षक हित के विपरीत अनेक प्रावधानों को संशोधित कर मुख्यमंत्रीजी ने अंतिम रूप से स्वीकृति दी है। पदनाम परिवर्तन के विस्तृत नियम बाहर आने पर संगठन उनका सम्पूर्ण आकलन करेगा। *इस कार्यवाही को इस मुकाम तक पहुँचाने के लिए संगठन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी, उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी जी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण जी सराफ सहित इस संघर्ष में समर्थन देने वाले सौ से अधिक जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक गणों एवं राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता है। इस संघर्ष में निरन्तर साथ देने, सहयोग करने एवं संगठन पर विश्वास बनाए रखने के लिए रुक्टा (राष्ट्रीय) आप सभी शिक्षक बंधु बहिनों का भी बहुत आभारी है।* रुक्टा (राष्ट्रीय) उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के हितों एवं आत्मसम्मान की रक्षा के लिए इसी प्रकार अहर्निश कार्य करने हेतु संकल्पबद्ध है।

2. **मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त** - संगठन महामंत्री के नेतृत्व में 100 से अधिक शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जी से मिलकर महाविद्यालय शिक्षकों का पदनाम व्याख्याता के स्थान पर असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर करने पर उनका आभार व्यक्त किया। संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री जी का चुनरी ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। उपस्थित महाविद्यालय शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा एवं उसमें कार्यरत शिक्षकों के उत्थान हेतु कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षकों के उत्थान हेतु ही रुक्टा (राष्ट्रीय) के जयपुर अधिवेशन में उन्होंने पदनाम परिवर्तन की घोषणा की थी, किन्तु कतिपय अधिकारियों की नासमझी से इस विषय को अंतिम बिन्दु तक पहुँचने में समय लगा है। उन्होंने अंततः पदनाम परिवर्तन की अधिसूचना के प्रारूप को अंतिम रूप देने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षक समुदाय से कर्तव्य भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

3. **विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकों के नवीन वेतनमान केन्द्र द्वारा स्वीकृत** - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में 11 अक्टूबर 2017 को सम्पन्न केन्द्रीय केबिनेट बैठक में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकों को 7वें वेतन आयोग के अनुगमन में नवीन वेतनमान स्वीकृत किये गए। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी द्वारा घोषणा की गई कि स्वीकृत वेतनमान 1 जनवरी 2016 से लागू होंगे तथा संशोधन के पश्चात् एन्ट्री लेवल पर वेतन 22 से 28 प्रतिशत तक बढ़ेगा। नवीन वेतनमानों की सेवा शर्तें अभी जारी नहीं की गई हैं। संगठन ने नवीन वेतनमानों की घोषणा के लिए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं इस संबंध में किए गए घनीभूत प्रयासों के लिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नवीन यू.जी.सी. वेतनमान लागू कराने हेतु निरन्तर प्रयासरत था। इस

विषय में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने नियमित अंतराल पर मानव संसाधन विकास मंत्री से विभिन्न भेंटवार्ताओं एवं यू.जी.सी. पे रिव्यू कमेटी को विभिन्न ज्ञापनों एवं दस्तावेजों के माध्यम से शिक्षक हित में नवीन वेतनमान शीघ्र लागू करने हेतु दबाव बनाया था। रुक्टा (राष्ट्रीय) के प्रतिनिधिमंडल ने भी भोपाल में यू.जी.सी. पे रिव्यू कमेटी को तथ्यों एवं दस्तावेजों सहित विस्तृत प्रस्तुति दी थी। संगठन ने आशा व्यक्त की है कि राजस्थान सरकार भी शीघ्र नवीन यू.जी.सी. वेतनमान राज्य के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकों के लिए लागू करने के आदेश प्रसारित करेगी।

4. **उच्च शिक्षा मंत्री जी से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 1 अगस्त, 7 सितम्बर एवं 12 अक्टूबर को उच्च शिक्षा मंत्रीजी से विस्तृत भेंटवार्ता की। इन बैठकों में पूर्व में लम्बित एवं तात्कालिक समस्याओं पर चर्चा की गई। वार्ता के विषयों में पदनाम परिवर्तन हेतु शिक्षक हितानुकूल नियम बनाने, 30 जून 2013 के बाद पात्र शिक्षकों को पे बैंड-4 देने, वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान हेतु पात्र शिक्षकों की स्क्रीनिंग शीघ्र कराने, आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों के सी.ए.एस. की फाईल को वित्त विभाग में भेजकर अपेक्षित लाभ दिलवाने, यू.जी.सी. नियमानुसार सभी पात्र शिक्षकों को पूर्व सेवा का लाभ देने, शारीरिक शिक्षकों, पुस्तकालाध्यक्षों, प्रयोगशाला सहायकों एवं अन्य मंत्रालयिक कर्मचारियों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, पीएच.डी. हेतु कोर्स वर्क से छूट अथवा सवैतनिक अवकाश की व्यवस्था करने एवं पीएच.डी. वेतन वृद्धियों को पुनः प्रारम्भ करने, जनवरी 2006 से जून 2006 के मध्य ड्यू वेतन वृद्धि वाले शिक्षकों को एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि देने, आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों पर प्रस्तावित 16 सी.सी.ए. के तहत कार्यवाही को रोकने, पूर्व अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों के पूर्व बकाया की समस्या का स्थाई समाधान करने, प्राचार्य एवं उपप्राचार्य पद हेतु डी.पी.सी. प्रक्रिया शीघ्र सम्पन्न करवाने, लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थियों को क्रमानुसार अविलम्ब नियुक्ति देने, लोक सेवा आयोग की चयन प्रक्रिया की गति देने, उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर सम्मानित करने, नवीन कार्यभार के अनुरूप पद सृजित करने, शारीरिक शिक्षकों के पदनाम बदलने, पुस्तकालाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षकों को संगोष्ठियों में भाग लेने हेतु अकादमिक अवकाश देने आदि विषय सम्मलित थे। बैठकों में उच्च शिक्षा मंत्रीजी द्वारा सकारात्मक रुख अपनाते हुए समस्याओं के निस्तारण हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि 30 जून 2013 के बाद पात्र शिक्षकों को पे बैंड-4 देने की प्रक्रिया निर्धारण के लिए शीघ्र ही वित्त विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की जा रही है। इसी तरह वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान हेतु पात्र शिक्षकों की स्क्रीनिंग तथा प्राचार्य, उपप्राचार्य पद की डीपीसी के लिए पूर्व आयुक्त को बकाया ए.सी.आर. हस्ताक्षरित करने के निर्देश प्रदान कर दिये गये हैं। आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों पर प्रस्तावित 16 सी.सी.ए. के तहत कार्यवाही के संबंध में उन्होंने प्रकरणों की श्रेणियाँ बना कर वित्त विभाग एवं विधि विभाग से चर्चा के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने पूर्व अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों के पूर्व बकाया की समस्या के स्थायी समाधान करने हेतु भी प्रस्ताव बनाकर वित्त विभाग को भेजने के लिए कहा। विश्वास है कि संगठन की सक्रियता एवं आप सभी के विश्वास के बल पर सभी लम्बित समस्याओं का समाधान क्रमशः प्राप्त होगा।

5. **केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 7 सितम्बर 2017 को जयपुर में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जी जावडेकर से केन्द्र संबंधी शिक्षक समस्याओं को ले कर भेंट की। संगठन ने श्री जावडेकर जी से यू.जी.सी. रेग्यूलेशन 2010 के प्रावधानों को समग्रता से लागू करवाने के लिए राज्य सरकार को निर्देश प्रसारित करने का आग्रह किया। संगठन द्वारा सेवारत शिक्षकों द्वारा पीएच.डी. करने पर कोर्स वर्क से छूट देने अथवा सवैतनिक अवकाश की

व्यवस्था करने की माँग की गई। इसके अलावा रिफ्रेशर व ऑरियन्टेशन कोर्स की अवधि 31 दिसम्बर 2017 तक बढ़ाने का विषय उनके ध्यान में संगठन द्वारा विस्तार से लाया गया। जावडेकर जी द्वारा इन विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी के बाद समुचित कार्यवाही करने का मंतव्य व्यक्त किया गया।

6. **आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों पर 16 सी.सी.ए. की कार्यवाही के प्रस्ताव का विरोध** - कुछ आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों एवं प्रबंध समितियों द्वारा अनुदानित सेवा अवधि के बकाया के लिए राज्य सरकार पर कोर्ट में वाद दायर करने के कारण सरकार द्वारा संबंधित अनुदानित महाविद्यालयों के सभी शिक्षकों पर 16 सी.सी.ए. के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की गई थी, जिसका संगठन ने कड़ा विरोध किया। संगठन ने सभी तथ्यों के साथ उच्च शिक्षा मंत्री जी से भेंट कर पक्ष रखा कि इस विषय में मान. उच्च एवं उच्चतम न्यायालय ने अनुदानित सेवा अवधि के बकाया पर नियमानुसार अनुदान दिये जाने के आदेश दिये हैं, ऐसे में संबंधित आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षक द्वारा किसी प्रकार की वचनबद्धता का उल्लंघन नहीं किया गया है। संगठन के विरोध के पश्चात् इन प्रकरणों पर विधिक राय ली गई। इस मामले में कुछ साथियों द्वारा मा. न्यायालय से भी स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया था। संतोष का विषय है कि सरकार द्वारा गत 5 अक्टूबर 2017 को आदेश प्रसारित कर 16 सी.सी.ए. की कार्यवाही को प्रत्याहरित कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने केवल कुछ ही प्रबंध समितियों के आर.वी.आर. ई. एस. शिक्षकों को छठे वेतनमान के राज्य अंश का भुगतान किया है। संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्री जी से माँग की है कि उन सभी आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों को भी छठे वेतनमान का राज्य अंश दिया जाये, जिनके द्वारा अथवा उनकी प्रबंध समितियों द्वारा न्यायालय में वाद दायर नहीं किया है। संगठन ने सरकार से माँग की है कि पूर्व अनुदानित शिक्षण महाविद्यालयों की प्रबन्ध समितियों को भी बाध्य किया जाए कि वे आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों के बकाया छठे वेतनमान के प्रबन्ध समिति अंश एवं उपादान का भुगतान करें।

7. **आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों को प्राचार्य स्तर पर स्वीकृत पे बैंड-4 को गलत मान वसूली करने का विरोध** - आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने पूर्व अनुदानित महाविद्यालयों द्वारा 1-1-2006 के बाद चयनित वेतनमान में तीन वर्ष पूर्ण करने पर संस्थान स्तर पर स्वीकृत पे बैंड-4 के परिलाभ को वसूली योग्य माना है, संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्री जी को विस्तृत तथ्यों एवं संबंधित दस्तावेजों के साथ पक्ष रखते हुए उक्त वसूली रोकने की माँग की है। संगठन द्वारा इस संदर्भ में पूर्व अनुदानित महाविद्यालयों पर राजकीय महाविद्यालयों के समान ही वेतन नियतन व अन्य प्रावधान लागू होने के समर्थन में वित्त विभाग एवं शिक्षा विभाग के विभिन्न आदेश प्रस्तुत किये हैं। संगठन ने साथ ही यह भी माँग की है कि यदि किसी शिक्षक को गलत भुगतान किया गया है तो सर्वप्रथम उसको अपना पक्ष रखने का समय दिया जाना चाहिए। संगठन ने बिना शिक्षक का पक्ष जाने वसूली करने एवं इसे अपराधिक कृत्य मानते हुए एफ.आई.आर. दर्ज करवाने की एक तरफा कार्यवाही का कड़ा विरोध किया है।

8. **सितम्बर 2017 के वेतन बिल में वेतन नियतन जाँच प्रमाण पत्र की शिथिलता देने की माँग** - वित्त विभाग ने राज्य के सभी कार्यालय अध्यक्षों को सितम्बर 2017 के वेतन बिल के साथ उनके कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन नियतन की जाँच के बाद सही वेतन नियतन होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिये हैं। संगठन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) को पत्र लिख कर माँग की है कि त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए एवं अधिकांश राजकीय महाविद्यालयों में लेखा विभाग के अधिकारी का पद खाली होने से उक्त कार्य में लग रहे समय पर विचार करते हुए

सितम्बर 2017 के वेतन बिल के साथ वेतन नियतन जाँच प्रमाण पत्र की अनिवार्यता में शिथिलता दी जाए। संगठन ने वित्त विभाग से कर्मचारी हित में वेतन नियतन जाँच की समय अवधि नवम्बर 2017 तक बढ़ाने की मांग की है।

9. **शिक्षक दिवस पर उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के सम्मान की माँग** – संगठन ने शिक्षक दिवस पर उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों को भी अन्य शिक्षकों की भांति राज्य स्तर पर सम्मानित करने की माँग उच्च शिक्षा मंत्री जी से की है। संगठन ने मंत्री जी को बताया कि राष्ट्र एवं समाज के सर्वतोमुखी उत्थान में शिक्षकों की विशिष्ट भूमिका को देखते हुए प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस पर स्कूल शिक्षा में विशेष योगदान देने वाले शिक्षकों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाता है, किन्तु देश की युवा पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनाकर राष्ट्र निर्माण हेतु तैयार करने में उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों की प्रमुख भूमिका होने के उपरान्त भी विशिष्ट योगदान देने वाले ऐसे शिक्षकों को राज्य स्तर/विश्वविद्यालय स्तर पर सम्मान करने की ओर सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया है। उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी जी ने विषय के महत्व एवं गंभीरता को समझते हुए इस संबंध में समुचित निष्पक्ष प्रक्रिया निर्माण कर सम्मान प्रारम्भ करने का विश्वास संगठन को दिलाया है।

10. **उपखण्ड अधिकारी खैरवाड़ा द्वारा महिला व्याख्याता से अभद्र व्यवहार करने का विरोध** – डॉ. सुमन राठौड़ व्याख्याता, राजकीय कन्या महाविद्यालय, खैरवाड़ा के साथ उपखण्ड अधिकारी, खैरवाड़ा एवं तहसीलदार द्वारा निरीक्षण के बहाने महाविद्यालय परिसर में उन्हें छात्राओं के सामने अपमानित करते हुए उनसे दुर्व्यवहार किया। संगठन ने उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री जी को पत्र लिख कर समुचित कार्यवाही करने की माँग की है जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

11. **कला महाविद्यालय, सीकर में संकाय सदस्यों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट करने की मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा लापरवाही बरतने पर रोष व्यक्त** – राजकीय कला महाविद्यालय, सीकर के संकाय सदस्यों के साथ 10–12 असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट एवं दुर्व्यवहार किये जाने पर स्थानीय पुलिस द्वारा कार्यवाही करने में कोताही बरतने पर संगठन ने मुख्यमंत्री जी एवं गृहमंत्री जी को पत्र लिख कर उक्त प्रकरण में आरोपियों को अविलम्ब गिरफ्तार करने एवं कानून सम्मत कड़ी सजा दिलवाने हेतु स्थानीय पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की जिससे आरोपियों को सबक मिले तथा शिक्षक सम्मान के साथ अपने राजकार्य का निर्वहन कर सकें। संगठन की सक्रियता के चलते गृहमंत्री द्वारा इस संबंध में सीकर पुलिस अधीक्षक को समुचित कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए गए।

12. **जिला कलक्टर, दौसा द्वारा अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर महाविद्यालय शिक्षकों की ड्यूटी शिक्षा संबलन कार्यक्रम में लगाने का विरोध** – जिला कलक्टर दौसा द्वारा दौसा महाविद्यालय के शिक्षकों को शिक्षा संबलन कार्यक्रम में आवंटित विद्यालयों का पर्यवेक्षण करने का आदेश दिया गया जिसका संगठन ने पुरजोर विरोध किया। संगठन ने मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रोटोकॉल के विरुद्ध ड्यूटी लगाने पर अपना रोष व्यक्त करते हुए महाविद्यालय शिक्षकों की ड्यूटी उनके पद की गरिमा अनुरूप ही लगाने की माँग की।संगठन का मत रहा है नियमों एवं प्रोटोकॉल को ध्यान में रख कर सक्षम अधिकारी द्वारा दिये गये समस्त आदेशों को पूरा करने के लिए शिक्षक प्रतिबद्ध है किन्तु संवर्ग की गरिमा, प्रोटोकॉल के विपरीत एवं नियमों से परे किसी भी आदेश को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **गुरुवंदन कार्यक्रम** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर एवं प्रदेश कार्यकारिणी की योजनानुसार संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा गुरुवंदन कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। राजकीय डूंगर महाविद्यालय **बीकानेर** में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रा. स्व. संघ के क्षेत्रीय प्रचारक श्री दुर्गादास जी का पाथेय तथा स्वामी संवित सोमगिरि जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। श्री दुर्गादास जी ने गुरु महिमा का बखान करते हुए माता-पिता, लौकिक व आध्यात्मिक ज्ञान देने वाले आचार्य एवं राष्ट्र रूपी समाज को गुरु व देव तुल्य बताया। उन्होंने बताया कि गुरु शिष्य को आँख (अच्छा दृष्टिकोण), लाख (अच्छा लक्ष्य), पांख (परिश्रम), साख (यश) एवं राख (अहंकार का नाश) देता है। स्वामी संवित सोमगिरि जी ने शिक्षकों से अपनी सीमा से परे जाकर भी समाज के नवनिर्माण में विशेष भूमिका निभाने का आह्वान किया। रुक्टा (राष्ट्रीय) के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने संगठन की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विषय प्रवर्तन किया। संचालन डॉ. उज्ज्वल गोस्वामी ने किया।

   राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, **उदयपुर** में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में रा. स्व. संघ के क्षेत्रीय कार्यवाह श्री हनुमान सिंह जी का पाथेय प्राप्त हुआ। उन्होंने प्रत्येक शिक्षक में व्याप्त गुरुतत्व की मीमांसा करते हुए गुरु शिष्य परम्परा की सनातन अवधारणा पर प्रकाश डाला और नवीन परिप्रेक्ष्य में समसामयिक तथा राष्ट्र गौरव का भाव जगाने वाली शिक्षा के सूत्रधार बनने का आह्वान शिक्षकों से किया। राजकीय महाविद्यालय, **जोधपुर** में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए रा. स्व. संघ के क्षेत्रीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्री कैलाशचन्द्र जी ने शिक्षक को समाज का दर्पण बताते हुए भावी भारत का निर्माता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. रमेशचन्द्र गहलोत ने की।

   सीकर में चारों राजकीय महाविद्यालयों के संयुक्त गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रा. स्व. संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक श्री निम्बाराम जी का पाथेय प्राप्त हुआ। श्री निम्बाराम जी ने जीवन में माता-पिता और गुरु का महत्व रेखांकित करते हुए व्यक्ति के निर्माण में उनकी सर्वोपरि भूमिका बताई। कार्यक्रम में संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट, विभाग अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र दुलड़ एवं चारों महाविद्यालयों के प्राचार्यों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। **दौसा** के तीनों राजकीय (कला, वाणिज्य व विज्ञान) महाविद्यालयों का संयुक्त गुरुवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमलप्रसाद जी अग्रवाल ने कहा कि अच्छे शिक्षक के लिए अपने विषय का उत्कृष्ट ज्ञान और विद्यार्थियों के साथ आत्मीय व्यवहार होना आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओ. पी. गुप्ता, पूर्व विशेषाधिकारी-उच्च शिक्षा रहे। इस अवसर पर तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य डॉ. डी. के. मोदानी, डा. प्रेमसिंह और प्रो. लालचन्द जैन उपस्थित रहे। संचालन डॉ. शिवशरण कौशिक ने किया।

   राजकीय महाविद्यालय, **केकड़ी** इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो. पुरुषोत्तम जी परांजपे ने कहा कि अंतरिक्ष एजेन्सी नासा ने भी गुरु पूर्णिमा की महत्ता को स्वीकार किया है। उन्होंने भारतीय गुरु परम्परा के आलोक में कर्मपथ तय करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजकुमारी राणावत ने, संचालन डॉ. अनिता रायसिंघानी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पवन चंचल ने किया। **कोटा** विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ एवं रुक्टा (राष्ट्रीय) इकाई द्वारा आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संगठन महामंत्री रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. परमेन्द्र दशोरा ने गुरु को गुरुर से दूर रहते हुए श्रेष्ठ नागरिक निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का

आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शैक्षिक संघ की अध्यक्ष प्रो. आशुरानी ने की तथा धन्यवाद इकाई सचिव श्री अन्ना कौशिक ने व्यक्त किया। राजकीय विधि महाविद्यालय, **अजमेर** में गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य पूर्व प्राचार्य डॉ. राधेश्याम अग्रवाल का रहा। इकाई सचिव प्रो. रामचरण मीना ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सरवाड़** में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री बजरंग प्रसाद जी मजेजी ने वैदिक परम्परा का स्मरण कराते हुए गुरु शिष्य के आत्मीय संबंधों की चर्चा की तथा महर्षि वेदव्यास को आदिगुरु बताते हुए अनेक उपाख्यानों द्वारा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु के महत्व का विवेचन किया। गोविन्द गुरु राजकीय महाविद्यालय, **बांसवाड़ा** इकाई द्वारा आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. महिपालसिंह राव ने शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य आई दूरी पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षक को गुरु बनने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. डी. के. जैन ने कहा कि गूगल सूचनाएँ तो दे सकता है किन्तु उसे परिष्कृत रूप से स्वीकार्य बनाना गुरु द्वारा ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दर्शन अछपाल ने की, आभार डॉ. नरेन्द्र पानेरी ने ज्ञापित किया। राजकीय महाविद्यालय, **खेतड़ी** में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी आत्मानिष्ठानंद जी ने कहा कि गुरु मात्र शिक्षा प्रदान करने वाला ही नहीं, विद्यार्थी के जीवन को सम्पूर्ण विकसित करने वाला होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अवतार कृष्ण शर्मा ने किया। आभार डॉ. अनिता मोदी ने व्यक्त किया। राजकीय महाविद्यालय, **किशनगढ़** में गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विद्या भारती के प्रांत संगठन मंत्री श्री गोविन्दजी रहे। उन्होंने शिक्षा में संस्कारों के समावेश की बात रखते हुए गुरु के सम्मान को रेखांकित किया। कार्यक्रम में सहसंगठन मंत्री डॉ. सुशील कुमार बिस्सू, डॉ. आर. पी. शर्मा ने भी विचार व्यक्त किये।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, **नाथद्वारा** में गुरुवंदन कार्यक्रम के अन्तर्गत विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी का संचालन इकाई सचिव प्रो. सागर सांवरिया ने किया। एम.एस. कॉलेज, **बीकानेर** में गुरुवंदन कार्यक्रम के अवसर पर स्वामी संवित सोमगिरि जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह भी उपस्थित रहे। राजकीय महाविद्यालय, **धौलपुर** में मुख्य वक्ता श्री विशम्भर दयाल शर्मा ने गुरु शिष्य परम्परा पर प्रकाश डालते हुए गुरु को चन्द्रमा की तरह शीतल रहकर प्रकाश रूपी ज्ञान से समाज का कल्याण करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्यामकुमार मीणा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गिर्राज सिंह मीणा ने किया। नई मंडी, **घड़साना** में निजी महाविद्यालयों का सामूहिक गुरुवंदन कार्यक्रम प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। राजकीय कन्या महाविद्यालय **शाहपुरा** में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अल्काकुमार एवं डॉ. एस. डी. गुप्ता ने भारतीय गुरु परम्परा पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में इसके महत्व को समझाया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनामिका सिंह एवं संचालन इकाई सचिव डॉ. गीता गर्ग ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **नसीराबाद** में प्राचार्य डॉ. कल्पना गौड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रचार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक डॉ. अनिल दाधीच रहे। विषय प्रवर्तन प्रो. अनिल गुप्ता ने, संचालन डॉ. गजेन्द्र मोहन ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. संजय कनौजिया ने किया। **कोटा** के विज्ञान एवं कला राजकीय महाविद्यालयों के संयुक्त गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति प्रो. एन. पी. कौशिक रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विमल प्रसाद जी अग्रवाल का पाथेय मिला। संचालन डॉ. गीताराम शर्मा ने किया। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजकीय

महाविद्यालय जयपुर, संगीत संस्थान एवं स्कूल ऑफ आर्ट्स **जयपुर** द्वारा आयोजित गुरुवंदन के संयुक्त कार्यक्रम में डॉ. विमल प्रसाद जी अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए शिक्षक समुदाय से बदलते सामाजिक परिदृश्य में स्वयं को परिष्कृत करने, शिक्षा के नवीनतम आयामों पर दृष्टि रखने तथा राष्ट्रीयता का भाव जगाने वाली शिक्षण पद्धति अपनाने पर बल दिया। उन्होंने शिक्षकों से केवल स्वयं को मात्र वेतनभोगी मानने के स्थान पर गुरुतत्व का संवाहक बन कार्य करने का मंत्र दिया।

अलवर में चारों महाविद्यालयों (राजर्षि, कन्या, कला एवं वाणिज्य) के संयुक्त आयोजन में मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के प्रांत सेवा प्रमुख श्री सूर्य प्रकाश जी रहे। उन्होंने गुरु की महिमा पर प्रकाश डालते हुए गुरु को वर्ण मुक्त व वर्ग मुक्त होने का विचार रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. ऋतु गुप्ता, विभाग अध्यक्ष डॉ. करमवीरसिंह, विभाग सचिव डॉ. अजय शर्मा, रा. स्व. संघ के विभाग कार्यवाह श्री अशोक जी गुप्ता, सहसचिव डॉ. धनंजय सिंह, विभाग महिला प्रतिनिधि डॉ. हेमा देवरानी, सभी इकाई सचिव एवं महिला प्रतिनिधियों सहित अनेक शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन प्रांतीय संयुक्तमंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने, अतिथि परिचय डॉ. राजेश गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेन्द्र जाट ने किया। संचालन डॉ. लता शर्मा ने किया। **चिमनपुरा** में दोनों राजकीय महाविद्यालयों के संयुक्त गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए रुक्टा (राष्ट्रीय) के संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जी जाट ने सनातन गुरु शिष्य परम्परा का स्मरण अनेक आख्यानों द्वारा कराते हुए आत्मावलोकन कर स्वयं को उदात्त गुरु के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सरस्वती मित्तल ने किया।

कोटपुतली में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. एम. पी. कुमावत ने गुरु शिष्य परम्परा व गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पौराणिक कथाओं के माध्यम से गुरु की महिमा प्रतिपादित की। संचालन डॉ. संगीता सिन्हा ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **चूरू** में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. कमलसिंह कोठारी ने कहा कि गुरु समाज को आदर्श स्थिति की ओर ले जाता है, गुरु अपने शिष्य को अंधकार से प्रकाश का मार्ग दिखाता है। इस अवसर पर प्रो. भवानीशंकर शर्मा एवं प्रो. सरोज हारित ने भी विचार व्यक्त किये। संभाग संगठन मंत्री डॉ. सुरेन्द्र डी. सोनी ने संगठन की नीति-रीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा गुरु वह होता है जो अपने शिष्यों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करे। **श्रीगंगानगर** में दोनों राजकीय महाविद्यालयों के अलग-अलग आयोजित कार्यक्रम में रुक्टा (राष्ट्रीय) के प्रदेश महामंत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए शिक्षकों से स्वयं के भीतर विद्यमान गुरुतत्व को पहचानने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभाग अध्यक्ष डॉ. रामसिंह राजावत, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा एवं विभाग सहसचिव डॉ. श्यामलाल ने भी विचार व्यक्त किये। राजकीय महाविद्यालय, **गंगापुर सिटी** में संगठन महामंत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए भारतीय गुरु शिष्य परम्परा के सनातन तत्व पर चिंतन-मनन करते हुए वर्तमान की चुनौतियों पर शिक्षकों को सजग होकर राष्ट्र निर्माणकारी शिक्षण पद्धति अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रो. पृथ्वीराज मीणा, विभाग अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा, विभाग सचिव डॉ. पुरुषोतम सिंह, विभाग सहसचिव डॉ. विजेन्द्र शर्मा, इकाई सचिव डॉ. राकेश दुबे का सक्रिय सहभाग रहा।

राजकीय महाविद्यालय, **सरदारशहर** में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए रुक्टा (राष्ट्रीय) के अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय सिंह ने गुरु के महत्व को रेखांकित किया। प्राचीन वाङ्मय से उनके प्रेरक प्रसंगों द्वारा गुरु शिष्य संबंधों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. दिग्विजयसिंह ने शिक्षकों से व्यक्ति निर्माण, चरित्र निर्माण और

राष्ट्र निर्माण में स्वयं की भूमिका गढ़ने की बात रखी। विषय प्रबोधन डॉ. देवीशंकर शर्मा ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए एम. डी. एस. विश्वविद्यालय अजमेर के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने कहा कि शिक्षक चाणक्य जैसे दृष्टा होते हैं तथा उन्हें अपनी शक्ति व जिम्मेदारी को समझते हुए समाज को बदलने में सशक्त भूमिका निभानी चाहिए। महामंत्री ने विषय प्रवर्तन करते हुए शिक्षकों को राष्ट्र विरोधी तत्वों से सावधान रहने तथा जे.एन.यू. व जाधवपुर विश्वविद्यालय में लगे राष्ट्रविरोधी नारों जैसी घटनाओं के प्रति भावी पीढ़ी को सही दृष्टिकोण देकर अपने भीतर के गुरुतत्व को राष्ट्र निर्माण हेतु सदा सजग बनाए रखने का आह्वान किया। संचालन डॉ. अनिल दाधीच ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, **बहरोड़, तिजारा** एवं **किशनगढ़बास** में आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में प्रदेश संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर एवं विभाग अध्यक्ष डॉ. कर्मवीर ने उद्‌बोधन दिया। राजकीय महाविद्यालय, **कपासन** में रा. स्व. संघ के जिला कार्यवाह श्री दिनेश जी भट्ट मुख्य वक्ता रहे। बांगड़ महाविद्यालय, **पाली** में मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश गक्खड़ रहे। संचालन डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **राजगढ़** (अलवर) में मुख्य वक्ता विभाग अध्यक्ष डॉ. करमवीरसिंह रहे। संचालन इकाई सचिव डॉ. वी. के. सिंह ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **बिलाड़ा** में शिक्षाविद् श्री दलपतसिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संचालन डॉ. ईश्वरचन्द शर्मा ने किया। राजकीय महाविद्यालय, **अनूपगढ़** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आर.जी. शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रतापसिंह शेखावत, श्री मनोजकुमार एवं डॉ. सुरेन्द्रसिंह का उद्‌बोधन प्राप्त हुआ। प्राचार्य डॉ. एस. एन. शर्मा ने अध्यक्षता की। राजकीय महाविद्यालय, **सुमेरपुर** में रा. स्व. संघ के जिला कार्यवाह श्री विजेन्द्र जी मुख्य वक्ता रहे। प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार दवे ने अध्यक्षता की एवं इकाई सचिव डॉ. ओ. पी. शर्मा ने विषय प्रवर्तन किया।

राजकीय महाविद्यालय, **बारां** में रा. स्व. संघ के जिला प्रचारक श्री अंकित जी का उद्‌बोधन हुआ। राजकीय महाविद्यालय, **ओसियाँ** में राजस्थानी भाषाविद् डॉ. राजेन्द्र सिंह बारेठ का पाथेय मुख्य वक्ता के रूप में प्राप्त हुआ। इकाई सचिव डॉ. उम्मेदसिंह ने विषय प्रवर्तन किया। रुक्टा (राष्ट्रीय) के संभाग संगठन मंत्री डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित ने भी वक्तव्य दिया। **सिरोही** में स्थित तीनों राजकीय महाविद्यालयों द्वारा संयुक्त आयोजन में मुख्य वक्ता सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. वी. के. त्रिवेदी रहे। विषय प्रवर्तन संभाग संगठन मंत्री डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा राणावत रही एवं अध्यक्षता डॉ. कमला बंधु ने की। राजकीय महाविद्यालय, **सांभरलेक** में संत श्री रमणनाथ जी महाराज ने मुख्य व्यक्ता के रूप में उद्‌बोधन किया। इसके अलावा राजकीय महाविद्यालय डूंगरपुर, कन्या भरतपुर, सवाईमाधोपुर, शिवगंज, भीलवाड़ा, ब्यावर, भीम, नाथद्वारा, नोहर, एम.एस.जे. भरतपुर, कन्या अजमेर, बून्दी, पुष्कर, कन्या बून्दी, कन्या चौमू एवं श्रीकरणपुर सहित कुल 123 इकाईयों में शिक्षा जगत एवं समाज के अग्रणी विचारक-चिंतक प्रबुद्धजनों के सान्निध्य में गुरुवंदन कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

2. **एक शिक्षक-एक वृक्ष कार्यक्रम सम्पन्न** - 1 जून 2017 को सम्पन्न संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि शैक्षणिक परिसरों में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करने तथा धारणक्षम विकास हेतु अपने कर्तव्य निभाने के लिए एक शिक्षक-एक वृक्ष अभियान हाथ में लिया जाए। इस अभियान के अन्तर्गत प्रति शिक्षक न्यूनतम एक वृक्ष लगाने एवं उसका पालन करने का जिम्मा लिया गया। इस अभियान को शिक्षकों की ओर से उत्साहपूर्ण सहयोग मिला।

अलवर विभाग में 266, जयपुर-प्रथम में 574, जयपुर-द्वितीय में 490, सीकर विभाग में 638, बांसवाड़ा

विभाग में 106, उदयपुर विभाग में 277, भीलवाड़ा विभाग में 101, अजमेर विभाग में 668, कोटा विभाग में 275, बारां विभाग में 155, श्रीगंगानगर विभाग में 368, बीकानेर विभाग में 295, बाड़मेर विभाग में 101, जोधपुर विभाग में 132, पाली विभाग में 120 पौधे एवं वृक्ष शिक्षकों/विद्यार्थियों द्वारा रोपे गए। कई स्थानों पर शिक्षकों के वित्तीय सहयोग से 5-10 फीट ऊँचे वृक्ष लगाए गए। शिक्षकों एवं स्थानीय सहयोग से पौधों की सुरक्षा हेतु कई परिसरों में सीमेंट एवं ईंट के ट्री गार्ड की व्यवस्था भी की गई। अधिकांश स्थानों पर छाया देने वाले एवं औषधीय महत्व के पौधों/वृक्षों का चयन कर रोपण किया गया। जिन स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने स्वप्रेरणा से पिछले वर्ष पौधे/वृक्ष लगाए थे, उन वृक्षों का जन्मदिन भी समारोहपूर्वक मनाया गया।

3. **'चीन की चुनौती एवं स्वदेशी' विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न** - संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा 'चीन की चुनौती एवं स्वदेशी' विषय पर संगोष्ठियाँ/जनजागरण कार्यक्रम सम्पन्न किए गए। राजकीय कला महाविद्यालय, **अलवर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के सहप्रांत सेवा प्रमुख रामकिशन जी ने चीन की सामरिक एवं आर्थिक महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी की महत्ता बताई। संगोष्ठी में विभाग प्रचारक मुकेशजी सहित संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता, शिक्षक बंधु-बहिनें व बड़ी संख्या में शिक्षार्थी उपस्थित थे। **कोटा** में आयोजित संगोष्ठी के मुख्यवक्ता स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री सतीश जी ने कहा कि चीन हमारे साथ व्यापार के बहाने छद्मयुद्ध करते हुए हमारी अर्थव्यवस्था को चौपट कर रहा है। ऐसे में सभी को राष्ट्रधर्म का पालन करते हुए स्वदेशी भाव को जीवन में उतारने का संकल्प लेना होगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष डॉ. विजय पंचोली ने की।

राजकीय महाविद्यालय, **केकड़ी** में स्वदेशी का महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए विभाग सचिव प्रो. अनिल गुप्ता ने पाक-चीन गठबंधन के आर्थिक पोषण को रोकने का आह्वान किया। इकाई सचिव प्रो. पवन चंचल ने आभार व्यक्त किया। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, **पाली** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सहप्रांत प्रचारक श्री योगेन्द्र कुमार जी रहे। उन्होंने चीन की आर्थिक साम्राज्यवादी नीतियों का विश्लेषण करते हुए कम्यूनिस्ट शासन की मानवाधिकार एवं पर्यावरण विरोधी कार्यपद्धति के बारे में बताया। उन्होंने देश की समृद्धि, विकास एवं रोजगार हेतु स्वदेशी अपनाने हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक श्री स्वरूपदान जी, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रामकेश मीणा, विभाग सचिव डॉ. अनुपम चतुर्वेदी सहित अनेक शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे। महारानी श्री जया महाविद्यालय, **भरतपुर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री हरिओम गौतम, संभागीय संस्कृत अधिकारी रहे। दयानंद आर्य बालिका महाविद्यालय, ब्यावर में डॉ. धीरज पारीक ने मुख्य वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में 350 छात्राएँ एवं शिक्षक उपस्थित रहे। सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय, **ब्यावर** में रा. स्व. संघ के जिला संघचालक श्री क्षमाशील जी गुप्त ने चीन की आर्थिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान किया।

राजकीय महाविद्यालय, **सरवाड़** में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विभाग सचिव श्री अनिल गुप्ता रहे। उन्होंने गाँधी जी के स्वदेशी विचारों पर प्रकाश डालते हुए 'मेड बाई इण्डिया' खरीदने का आह्वान किया। संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. माधुरी गुप्ता, डॉ. संजीव वर्मा, डॉ. नविता श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि भटनागर सहित अनेक छात्राओं ने भी भाग लिया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के सहविभाग सम्पर्क प्रमुख श्री निरंजन शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता

प्राचार्य डॉ. चेतन प्रकाश ने की एवं धन्यवाद इकाई सचिव डॉ. सत्येन्द्र जैन ने ज्ञापित किया। राजकीय महाविद्यालय, **बून्दी** में चीन एक आर्थिक संकट विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्तव्य कोटा विभाग प्रचारक विकास जी ने दिया। उन्होंने कुटीर उद्योगों पर शून्य तकनीकी चीनी उत्पादों की बिक्री के दुष्प्रभावों को समझाते हुए स्थानीय उत्पाद खरीदने पर बल दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे। राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विषय रखते हुए रा. स्व. संघ के क्षेत्रीय कार्यवाह श्री हनुमानसिंह जी ने अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद, सुरक्षा परिषद की सदस्यता आदि मुद्दों पर भारत के विरुद्ध चीन के कारनामों का वर्णन किया। उन्होंने देश की आर्थिक एवं सामरिक सुरक्षा के लिए चीन को एक गंभीर खतरा बताते हुए स्वदेशी अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. के. देव एवं डॉ. अनिल दाधीच ने भी विचार व्यक्त किए।

4. **भारत में उच्च शिक्षा के परिदृश्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी दिल्ली में सम्पन्न** - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में दिनांक 29-30 जुलाई 2017 को, 'Higher Education Perspectives in India' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों पर अपेक्षित बदलावों एवं गुणवत्ता वृद्धि के विषय में विचार मंथन हुआ। संगोष्ठी में देश के 22 राज्यों से उच्च शिक्षा क्षेत्र के 400 शिक्षकों ने सक्रिय गवेषणा में भागीदारी करके अपने सुझाव दिये।

   संगोष्ठी का उद्घाटन मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावेडकर जी ने किया। उन्होंने देशभर में महासंघ के शिक्षा और शिक्षक कल्याण के लिये किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उच्च शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों की महती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि शिक्षकों के लिए शीघ्र ही सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों के प्रमोशन में ए.पी.आई. की व्यावहारिकता स्थापित करने के लिए उसमें बदलाव करने की बात कही तथा बताया कि कॉलेज शिक्षकों के प्रमोशन हेतु शोध की अनिवार्यता के स्थान पर अन्य विकल्प यथा सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने को आधार बनाया जा सकता है। उन्होंने संस्थानों में विद्यार्थी का आकर्षण उत्कृष्ट भौतिक संसाधन न होकर गुरु के रूप में शिक्षक को होने के महत्व को बताया। संगोष्ठी के चार विभिन्न सत्रों में Accountability of Teachers: Key to Quality Education, Professional Ethics and Accountability of Teachers, NAAC and NIRF Grading System, Autonomy of Institutions of Higher Learning, Issues of Grant Cut for State Funded Institutions, Teachers' Accountability and Stakeholders' Responsibility, Accountability Framework of Teachers इत्यादि विषयों पर देश के विख्यात विद्वान और शिक्षाविदों ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये तथा सहभागी शिक्षकों ने चर्चा करते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किये। रुक्टा (राष्ट्रीय) की ओर से महामंत्री एवं अध्यक्ष सहित 38 शिक्षकों ने भाग लिया।

5. **अखिल भारतीय 'शिक्षा भूषण' शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न** - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा तृतीय अखिल भारतीय 'शिक्षा भूषण' शिक्षक सम्मान समारोह 10 सितम्बर 2017 को बेंगलुरु (कर्नाटक) में सम्पन्न हुआ। समारोह में कर्नाटक के प्रोफेसर एम. चिदानंद मूर्ति जी, उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर सतीश चन्द्र जी मित्तल तथा राजस्थान के प्रोफेसर दयानंद जी भार्गव को शिक्षा भूषण सम्मान से विभूषित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. सुरेश (भैय्याजी) जोशी, सरकार्यवाह,

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रबोधन करते हुए कहा कि शिक्षा क्षेत्र व्यक्तित्व विकास का एक प्रभावशाली माध्यम होने के साथ ही राष्ट्रीय विचारों की संजीवनी के सामाजिक प्रवाह का प्रखर माध्यम भी है, अतः इसे केवल ज्ञानार्जन के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रकृति से मानव बढ़ता है, यह सहज क्रिया है, किन्तु अच्छे गुणों की वृद्धि करना है तो उसे संस्कारयुक्त शिक्षा मिलना आवश्यक है। स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना शिक्षण संस्थाओं का प्राथमिक कर्तव्य है। इस अवसर पर पू. मंगलानाथानंद जी (रामकृष्ण मठ, बेंगलुरु) ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि अध्ययन करना एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। शिक्षक राष्ट्र के चरित्र को निर्माण करने वाला है, अतः पहले उनका चरित्र अच्छा रहना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद जी अग्रवाल ने की, जबकि राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. जे.पी. सिंघल जी ने महासंघ के उद्देश्यों का परिचय करवाते हुए अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान योजना के ध्येय की व्याख्या की। समारोह में महासंघ के संरक्षक प्रो. के. नरहरि जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेन्द्र जी कपूर, सहसंगठन मंत्री श्री ओमपाल सिंह जी, उच्च शिक्षा संवर्ग प्रभारी श्री महेन्द्र कुमार जी सहित रुक्टा (राष्ट्रीय) के अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह एवं सहसंगठन मंत्री डॉ. दीपक शर्मा उपस्थित रहे।

6. **विस्तृत कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - संगठन की विस्तृत कार्यकारिणी बैठक संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में 20 अगस्त 2017 को जयपुर में सम्पन्न हुई। बैठक सामूहिक सरस्वती वंदना से प्रारम्भ हुई। बैठक में सर्वप्रथम महामंत्री द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके बाद विभागशः वृत्त निवेदन किए गए। बैठक में प्राप्त संख्या के अनुसार 'एक शिक्षक-एक वृक्ष' अभियान के अन्तर्गत शिक्षकों द्वारा कुल 4566 पौधे रोपे गए एवं उनकी सार संभाल का जिम्मा लिया गया। संगठन की इस वर्ष की कुल वार्षिक सदस्यता 6137 रही जो पिछले वर्ष से 464 अधिक है। गुरुवंदन कार्यक्रम कुल 123 स्थानों पर सम्पन्न हुए। वृत्त निवेदन में शैक्षिक मंथन सदस्यता के संदर्भ में प्रगति की जानकारी कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई एवं 30 सितम्बर तक शैक्षिक मंथन का सदस्यता अभियान पूर्ण करने का निर्णय लिया गया। बैठक के अगले चरण में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल ने महासंघ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए 29-30 जुलाई को दिल्ली में सम्पन्न राष्ट्रीय संगोष्ठी के संबंध में विस्तार से बताया। प्रो. सिंघल ने विभिन्न शिक्षक समस्याओं को लेकर महासंघ के प्रतिनिधिमंडल की केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी से हुई भेंट की भी विस्तृत जानकारी दी तथा कतिपय तकनीकी बाधाएँ दूर होकर नए यू.जी.सी. वेतनमानों के शीघ्र जारी होने की आशा व्यक्त की।

इसके बाद सदस्यों द्वारा विभिन्न शिक्षक समस्याओं को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। महामंत्री ने समस्याओं पर संगठन के प्रयासों की जानकारी देते हुए नवीन समस्याओं पर शिक्षकों का पक्ष सरकार के समक्ष रखने का विश्वास दिलाया। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने संगठन के विस्तारक अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने दायित्व के भौगोलिक क्षेत्र से बाहर विस्तारक निकलने का आह्वान किया। बैठक में उसी समय 22 कार्यकर्ताओं ने विस्तारक निकलने की सहमति प्रदान की। इसके बाद आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। सितम्बर-अक्टूबर में अभिभावक संवाद /चीन एक राष्ट्रीय संकट विषय पर इकाईशः कार्यक्रम करना तय किया गया। प्रदेश स्तर पर विश्वविद्यालय शिक्षकों का सम्मेलन करने का भी निर्णय लिया गया। विस्तारक अभियान नवम्बर में लेना तय किया गया। जून 2017 में सम्पन्न हुए प्रदेश विचार वर्ग के अनुवर्तन में विभिन्न स्टडी ग्रुप बनाने की भी योजना की गई। दिसम्बर 2017-

जनवरी 2018 में आयोज्य प्रदेश अधिवेशन हेतु इकाईयों से प्रस्ताव माँगने का निर्णय भी कार्यकारिणी ने किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने कहा कि संगठन की सदस्यता बढ़ने के साथ उसकी जिम्मेदारी भी बढ़ी है। अत: कार्यकर्ताओं को अधिक जागरूकता एवं सम्पर्क भाव में कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने संगठन के कार्यों की चर्चा नीचे तक ले जाने हेतु कार्यकर्ताओं को सेतु बनने का आग्रह किया।

अंत में गत बैठक के पश्चात् परम तत्व में लीन शिक्षक साथी डॉ. अमर चंद राठी पाली, डॉ. लक्ष्मीकांत दाधीच कोटा, प्रो. आर. के. सिंह उनियारा, प्रो. प्रीति बैराठी सीकर, डॉ. के. एम. बंसल कोटपुतली, डॉ. एन.एस. राव उदयपुर, प्रो. अशोक आचार्य बीकानेर, प्रो. मोहरसिंह यादव अलवर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की गई। सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

7. **वार्षिक सदस्यता अभियान सम्पन्न** – संगठन के वार्षिक सदस्यता अभियान के अन्तर्गत 1 जुलाई से 15 जुलाई 2017 तक सदस्यता एकत्रित की गई। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों, राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों में कार्यकर्ताओं द्वारा व्यक्तिगत सम्पर्क कर सदस्यता प्राप्त की। 1 जुलाई 2017 को अकादमिक सत्र के प्रथम दिवस पर एक ही दिन में 4151 शिक्षकों ने संगठन की वार्षिक सदस्यता ग्रहण की। इस वर्ष अभियांत्रिकी, संस्कृत शिक्षा सहित उच्च शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में भी प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णयानुसार सदस्यता अभियान प्रारम्भ किया गया। पिछले कई वर्षों से राजकीय महाविद्यालयों के लगभग 95 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों की सदस्यता के साथ रुक्टा (राष्ट्रीय) राज्य की उच्च शिक्षा में एक मात्र प्रभावी संगठन है जो शिक्षा एवं शिक्षक हितों में निरन्तर कार्यरत है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से संगठन वार्षिक सदस्यता अभियान मात्र 15 दिन में सम्पन्न करता है, जिससे वर्ष भर सांगठनिक-वैचारिक-रचनात्मक गतिविधियों में संगठन की ऊर्जा लग पाती है। विभागवार सदस्यता का विवरण इस प्रकार है :-

भरतपुर (315) - राजकीय महाविद्यालय भरतपुर-102, डीग-8, बयाना-8, धौलपुर-29, राजाखेड़ा-2, कन्या भरतपुर-31, कन्या बयाना-6, कन्या धौलपुर-5, विधि भरतपुर-2, विधि धौलपुर-1, **निजी महाविद्यालय** अग्रसेन महिला भरतपुर-15, अग्रसेन कन्या बयाना-4, एस.आर.पी.जी. कुम्हेर-6, आर्य महिला भुसावर-1, महालक्ष्मी कॉलेज झील (बयाना)-4, श्री राधेय पी.जी. नदबई-22, महाराजा सूरजमल उच्चैन-4, राधा रानी कन्या सदावल-2, रांगेय राघव बैर-3, पी.डी. कन्या बैर-6, एस.एन. हलैना-1, चौधरी गोली सिंह नदबई-1, चौधरी कन्या नदबई-3, माँ कस्तूरबा गांधी भरतपुर-3, अग्रसेन टी.टी. भरतपुर-12, खण्डेलवाल टी.टी. भरतपुर-8, मदर टेरेसा भरतपुर-3, महिला टी.टी. भरतपुर-10, चौधरी जगनसिंह टी.टी. भरतपुर-3, वी. के. त्यागी टी.टी. धौलपुर-1, जी.एल.टी.टी. धौलपुर-1, के.एल. टी.टी. धौलपुर-2, श्री कृष्ण एजुकेशनल लुहिया-5, पोद्दार कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी भरतपुर-1

अलवर (424) - राजकीय महाविद्यालय राजर्षि अलवर-66, कला अलवर-98, वाणिज्य अलवर-10, थानागाजी-12, गोविन्दगढ़-4, बीबीरानी-7, राजगढ़-44, तिजारा-5, बहरोड़-21, बाँदीकुई-26, कन्या अलवर-54, पॉलिटेक्निक अलवर-16, संस्कृत कोटकासिम-4, **निजी महाविद्यालय** नाइटिंगेल अलवर-27, अग्रसेन कन्या खेरली-5, किशनगढ़बास पी.जी. किशनगढ़वास-12, नारायणीदेवी बहरोड़-7, बहरोड़ पी.जी. बहरोड़-6।

जयपुर-I (586) - राजकीय महाविद्यालय जयपुर-31, आयुक्तालय जयपुर-49, संगीत संस्थान-14, स्कूल ऑफ आर्ट्स-12, कोटपुतली-60, विज्ञान वाणिज्य चिमनपुरा-56, कला चिमनपुरा-42, कला दौसा-

56, दौसा-37, महुआ-4, सिकराय-6, लालसोट-16, कन्या कोटपुतली-12, कन्या शाहपुरा-20, कन्या दौसा-23, कन्या लालसोट-5, **निजी महाविद्यालय** सुबोध जयपुर-43, अग्रसेन टी. टी.,जयपुर-20, निजी विश्वविद्यालय जयपुर-20, राजस्थान **विश्वविद्यालय**-60

जयपुर-II (270) - राजकीय महाविद्यालय टोंक-53, देवली-6, मालपुरा-12, उनियारा-15, निवाई-12, कालाडेरा-81, टोडारायसिंह -3, सांभरलेक-34, कन्या टोंक-12, कन्या चौमूं-33, **निजी महाविद्यालय** एस.जी. पारिक चौमूं-9

सवाईमाधोपुर (159) - राजकीय महाविद्यालय सवाईमाधोपुर-48, गंगापुरसिटी-24, खंडार-4, बामनवास-4, करौली-38, हिंडोनसिटी-12, टोडाभीम-4, सपोटरा-3, नादोती-2, कन्या सवाईमाधोपुर-12, कन्या करौली-7, **निजी महाविद्यालय** अग्रसेन कन्या हिंडोनसिटी-1,

सीकर (567) - राजकीय महाविद्यालय कला सीकर-54, वाणिज्य सीकर 15, विज्ञान सीकर-40, नीम का थाना-41, रामगढ़ शेखावटी-12, झुंझुनु-19, गुढ़ा-8, नवलगढ़-8, खेतड़ी-26, चुरू-55, सुजानगढ़-18, रतनगढ़-13, तारानगर-6, सरदारशहर-18, राजगढ़-3, कन्या सीकर-8, कन्या होद-7, कन्या नीम का थाना-12, कन्या झुंझुंनु-17, कन्या चुरू-1, कन्या रतनगढ़-3, विधि सीकर-4, विधि चूरू-2, **निजी महाविद्यालय** गौमतीदेवी बड़ागाँव-6, एम.डी. विज्ञान झुंझुनु-20, जे. बी. शाह झुंझुनु-20, पौद्दार नवलगढ़-27, राकेश पी.जी. पिलानी-23, रासिया सूरजगढ़-20, कृष्णा सत्संग सीकर-15, मित्तल कन्या सरदारशहर-6, मोतीलाल झुन्झुनु-11, न्यू राजस्थान झुन्झुनु-5, मोहता राजगढ़-21, युक्ता बिन्दल राजगढ़-1, तोला राजगढ़-2

श्रीगंगानगर (1121) - राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर-36, सूरतगढ़-22, अनूपगढ़-4, हनुमानगढ़-13, नोहर-21, श्री करणपुर-5, कन्या श्रीगंगानगर-40, कन्या सादुलशहर-5, **निजी महाविद्यालय** जी.एल. बिहानी श्रीगंगानगर-53, एम.डी. श्रीगंगानगर-30, टैगोर पी.जी सूरतगढ़-15, पी.जी. सूरतगढ़-40, एम.डी. कन्या रायसिंहनगर-7, शकुन्तलम रायसिंहनगर-10, व्यापार मंडल हनुमानगढ़-14, श्री गुरुनानक खालसा हनुमानगढ़-20, बेबी हम्पी मोडल हनुमानगढ़-45, इंदिरा गांधी मेमोरियल हनुमानगढ़-13, डॉ. राधाकृष्णन कन्या श्रीगंगानगर-19, मीनाक्षी सेतिया श्रीगंगानगर-6, श्री गुरुनानक कन्या श्रीगंगानगर-25, एस.के.डी. हनुमानगढ़-30, एस.जी.एन. खालसा अनूपगढ़-12, एच.के.एम.पी.जी घड़साना-14, एम.जे. कुम्हेरिया पी.जी. रावलमंडी-10, एम.डी. रावतसर-12, सरस्वती रावतसर-8, महावीर जैन हनुमानगढ़-10, दून कन्या हनुमानगढ़-10, सरस्वती कन्या हनुमानगढ़-20, संस्कार इंटरनेशनल महिला हनुमानगढ़-12, बेसिक कॉलेज रावतसर-9, श्रीपति कन्या पीलीबंगा-5, ग्रा. वी. पीठ गृह विज्ञान महिला संगरिया-15, अम्बिका पल्लू-7, वैदिक रावतसर-8, अपैक्स को. एजू. रावतसर-5, एस.डी. डिग्री जाखरावाली-5, आत्मवल्लभ जैन कन्या श्रीगंगानगर-23, खालसा श्रीगंगानगर-5, सादुलशहर डिग्री कॉलेज-8, एस. एच. के. बी. सादुलशहर-10, मूर्ति देवी बी.एड. सादुलशहर-3, गुरूनानक कन्या गजसिंहपुर-7, एम.डी.एम. रायसिंहनगर-11, एम.डी.एम. बी.एड. रायसिंहनगर-6, श्री रविन्द्र नाथ रावतसर-6, ग्रामीण कन्या भादरा-15, रॉयन हनुमानगढ़-29, पुलकित हनुमानगढ़-7, नौहर डिग्री कॉलेज-6, गार्गी कन्या नौहर-4, श्याम महिला भादरा-20, टाटिया वी.वी. श्रीगंगानगर-3, सरस्वती बीझबायला-15, खालसा सादुलशहर-7, गीता बाल विद्या घड़साना-31, एस.के.पी.जी. घड़साना-20, सर्वेश घड़साना-9, एस.वी. रावला-5, शारदा अनूपगढ़-15, चौधरी एस. आर. पतरोडा 10, ज्ञान तृप्ति अनूपगढ़ 5, माता मोहिनी-10, शहीद भगतसिंह नोहर-6, माता जीतूजी सूरतगढ़-8, परमानंद गजसिंहपुर-5, मरुधरा हनुमानगढ़-17, मरुधर महिला पल्लू-8, एस. टी. सहशिक्षा टिब्बी-15, सिद्धिविनायक टिब्बी-7, आदर्श सरदारपुरा-6, स्वामी विवेकानंद हनुमानगढ़-9, श्री राम जण्डावाली-7, सरस्वती महिला

पूरबसर–7, फेन क्लिन कन्या नोहर–5, एस.बी.एन. गोलू वाला–11, एम.डी. थालडका–6, विवेकानंद जाखड़ावाली–5, राजेन्द्र प्रसाद पी.जी. रावतसर–10, गुरु जम्भेश्वर पी.जी. रावतसर–6, आदर्श ग्रामीण हनुमानगढ़–4, डी.ए.वी. गर्ल्स गोलूवाला–11, सरदार भगतसिंह गोलूवाला–11, केलीबर–5, केशव पीलीबंगा–7, श्री कानीराम हनुमानगढ़–8, टाइम्स बी.एड. हनुमानगढ़–5, जाहरवीर गोगाजी छानीबड़ी–7

बीकानेर (576) – राजकीय महाविद्यालय बीकानेर–138, नोखा–11, लूणकरणसर–2, नागौर–27, जायल–1, डेगाना–3, मेड़तासिटी–11, डीडवाना–24, मंगलाना–1, खींवसर–1, खाजूवाला–1, कन्या बीकानेर–59, कन्या नागौर–3, विधि बीकानेर–3, विधि नागौर–2, क्षेत्रीय कार्यालय बीकानेर–1, **निजी महाविद्यालय** बिनानी कन्या बीकानेर–20, बेसिक पी.जी. बीकानेर–14, श्री डूंगरगढ़ कॉलेज डूंगरगढ़–9, ज्ञान विधि बीकानेर–4, बी.जी.एस. रामपुरिया बीकानेर–18, सिस्टर निवेदिता बीकानेर–10, नेहरु शारदापीठ, बीकानेर–13, जगदम्बा खाजूवाला–30, जैन कन्या बीकानेर–13, आदर्श नोखा–3, बी.एल. टी.टी. बीकानेर–2, रावतमल बोथरा बीकानेर–3, आदेश कोलायत–5, शेशूमो डूंगरगढ़–5, भारती निकेतन डूंगरगढ़–14, भारती विद्यापीठ राजदेसर–6, महाराजा गंगासिंह **विश्वविद्यालय** बीकानेर–20, आई.ए.एस.ई. बीकानेर–5, वेटेनरी विश्वविद्यालय बीकानेर–40, कृषि वि. वि. बीकानेर–13, अभियान्त्रिकी महाविद्यालय बीकानेर–8, पालिटेक्निक बीकानेर–29, महिला पालिटेक्निक बीकानेर–4,

बाड़मेर (61) – राजकीय महाविद्यालय बाड़मेर–23, बालोतरा–6, बायतु–4, जैसलमेर–7, गुढ़ामलानी–2, पोकरण–1, सिवाना–1, कन्या बाड़मेर–7, कन्या बालोतरा–6, कन्या जैसलमेर–4

जोधपुर (140) – राजकीय महाविद्यालय जोधपुर–20, ओसियाँ–11, फलौदी–4, भोपालगढ़–17, बालेसर–6, बिलाड़ा–5, कन्या पीपाड़सिटी–5, संस्कृत जोधपुर–8, **निजी महाविद्यालय** औंकारमल सोमानी जोधपुर–16, श्री पुष्टिकर स्मृति जोधपुर–16, लाचू कॉलेज जोधपुर–6, महिला महाविद्यालय जोधपुर–4 जयनारायण व्यास **विश्वविद्यालय**, जोधपुर–22

पाली (154) – राजकीय महाविद्यालय पाली–46, सोजतसिटी–7, जैतारण–7, बाली–5, सुमेरपुर–4, आहोर–2, जालौर–14, भीनमाल–1, सिरोही–24, शिवगंज–7, आबूरोड़–11, कन्या पाली–8, कन्या जालौर–8, कन्या सिरोही–5, विधि पाली–2, **निजी महाविद्यालय** – एस. पी. सिरोही–3,

बांसवाड़ा (75) – राजकीय महाविद्यालय बांसवाड़ा–32, कुशलगढ़–3, सागवाड़ा–3, डूंगरपुर–22, कन्या बांसवाड़ा–13, कन्या डूंगरपुर–9

उदयपुर (353) – राजकीय महाविद्यालय खैरवाड़ा–13, सराड़ा–1, सलुम्बर–6, राजसमंद–14, नाथद्वारा–41, झाडोल–1, गोगुन्दा 4, आमेट–1, देवगढ़–2, भीम–4, कन्या उदयपुर–120, कन्या खैरवाड़ा–6, कन्या नाथद्वारा–13, मोहनलाल सुखाड़िया **विश्वविद्यालय**, उदयपुर–61, कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर–5 **निजी** बी.एन. विश्वविद्यालय उदयपुर–40, विद्या भवन उदयपुर–12, पैसीफिक विश्वविद्यालय उदयपुर–9,

चित्तौड़ (89) – राजकीय महाविद्यालय चित्तौड़गढ़–38, कपासन–5, निम्बाहेड़ा–9, मंडफिया–7, प्रतापगढ़–14, रावतभाटा–1, छोटी सादड़ी–4, बेगूं–2, कन्या चित्तौड़गढ़–9

भीलवाड़ा (151) – राजकीय महाविद्यालय भीलवाड़ा–58, आसींद–2, मांडलगढ़–2, शाहपुरा–17, रायपुर–4, बनेड़ा–1, कन्या भीलवाड़ा–38, विधि भीलवाड़ा–2, **निजी महाविद्यालय** आई.टी.एम. भीलवाड़ा–6, पथिक बिजौलिया–8, महिला आश्रम भीलवाड़ा 5, भगवती करेड़ा–2, ए.एस.टी.ए. गंगापुर भीलवाड़ा–6

अजमेर (516) - राजकीय महाविद्यालय अजमेर-190, केकड़ी-15, ब्यावर-64, किशनगढ़-46, नसीराबाद-29, पुष्कर-9, कन्या अजमेर-38, कन्या सरवाड़-6, विधि अजमेर-5, अभियान्त्रिकी अजमेर-14, **निजी महाविद्यालय** दयानंद अजमेर-16, बी.एड. हटुण्डी-1, प्राज्ञ बिजयनगर-8, गायत्री पुष्कर-5, दयानंद बालिका ब्यावर-15, वर्द्धमान बालिका ब्यावर-17, अग्रवाल किशनगढ़-2, टाँक टी.टी. अजमेर-16, जियालाल टी.टी. अजमेर-4, एम. डी. एस. **विश्वविद्यालय**, अजमेर-16

कोटा (495) - राजकीय महाविद्यालय कोटा-71, कला कोटा-72, वाणिज्य कोटा-12, रामगंजमंडी-4, सांगोद-5, बूंदी-55, कन्या कोटा-82, कन्या बूंदी-14, **निजी महाविद्यालय** भगवान आदिनाथ नैनवां-2, अकलंक गर्ल्स पी.जी. कोटा-15, एम. डी. मिशन कोटा-3, संजीवनी अकतासा-4, महाराजा मूलसिंह लखेरी-8, माँ भारती कोटा-29, मोदी कोटा-8, शास्त्री संस्कृत चैचट-3, जैन दिवाकर कोटा-6, केशवराम टी.टी. बून्दी-3, लक्ष्यदीप टी.टी. बून्दी-3, रघुकुल टी.टी. बून्दी-6, सर्वोदय टी.टी. बून्दी-4, इन्द्रागांधी टी.टी. बून्दी-1, सकलेन कापरेन बून्दी-6, पाटन कन्या बून्दी-6, एकलव्य बून्दी-6, संस्कार कापरेन बून्दी-5, कोटा **विश्वविद्यालय** कोटा-24, वर्द्धमान खुला विश्वविद्यालय कोटा-18, तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा 20

बारां (85) - राजकीय महाविद्यालय बारां-19, केलवाड़ा-2, झालावाड़-30, मनोहरथाना-2, खानपुर-2, चौमहला-1, पिडावा-2, कन्या बारां-4, कन्या झालावाड़-5, **निजी महाविद्यालय** जैन विश्व भारती छबड़ा-6, टैगोर अकलेरा-12

साभार।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)
[महामंत्री]

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

मेरा यह कहना नहीं कि हम शेष दुनिया से बच कर रहें या अपने चारों तरफ दीवारें खड़ी कर लें। लेकिन मैं यह जरूर कहता हूँ कि पहले हम अपनी संस्कृति का सम्मान करना सीखें और उसे आत्मसात् करें। मेरी यह दृढ़ मान्यता है कि हमारी संस्कृति में जैसी मूल्यवान निधियाँ हैं वैसी किसी दूसरी संस्कृति में नहीं, हमने उसे पहचाना नहीं। हमें तो उसका तिरस्कार करना, उसके गुणों की कीमत कम करना ही सिखाया गया है। अपने आचरण में उसका व्यवहार करना तो हमने लगभग छोड़ ही दिया है। आचार के बिना कोरा बौद्धिक ज्ञान उस निर्जीव देह की तरह है जिसे मसाला भर कर रखा जाता है। मेरा धर्म मुझे आदेश देता है कि मैं अपनी संस्कृति सीखूँ, ग्रहण करूँ और उसके अनुसार चलूँ। अपनी संस्कृति से कट कर हम एक समाज के रूप में मानो आत्महत्या कर लेंगे। किन्तु साथ ही वह मुझे दूसरों की संस्कृतियों का अनादर करने या उन्हें तुच्छ समझने से भी रोकता है।

- महात्मा गाँधी